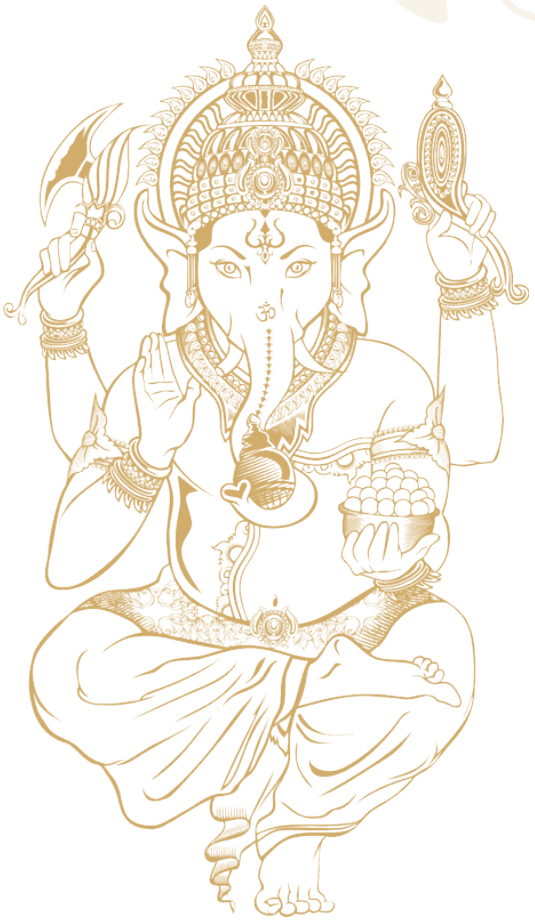

Rahul

18 Feb 1984

06:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121758308

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/02/1984**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:17:00 घंटे**
इष्ट	28:17:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	03:46:35 घंटे
सूर्योदय	06:58:02 घंटे
सूर्यास्त	18:12:37 घंटे
दिनमान	11:14:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:25:26 कुम्भ
लग्न के अंश	07:09:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:09:53	312:26:42	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	05:25:26	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	26:58:24	15:14:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:06:09	00:23:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	मक	20:53:41	01:36:21	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	12:16:43	00:10:41	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	05:32:34	01:13:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	22:43:16	00:00:38	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	18:52:37	00:10:13	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:52:37	00:10:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:34:00	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:15:41	00:01:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	08:26:38	00:00:30	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृष	05:14:20	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:53

लग्न-चलित

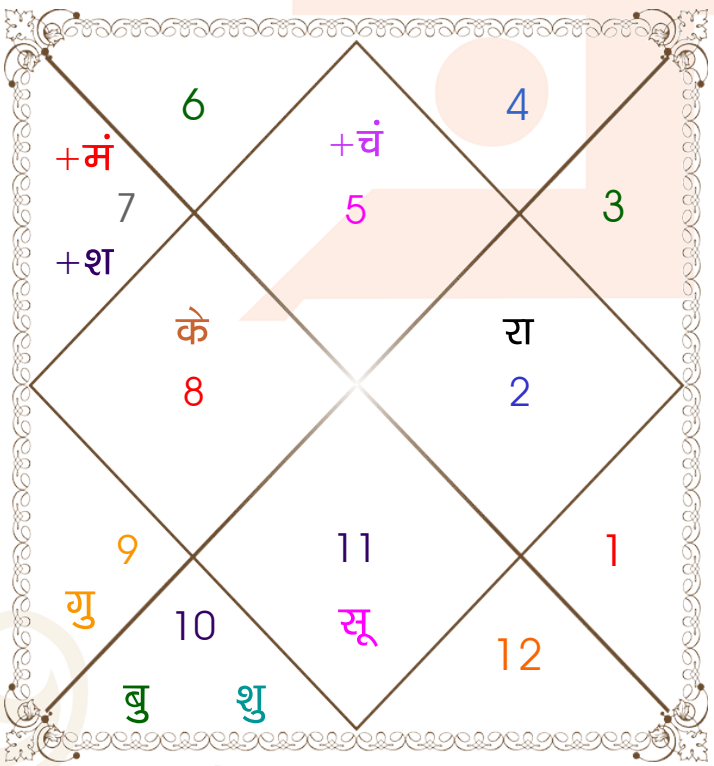

चन्द्र कुंडली

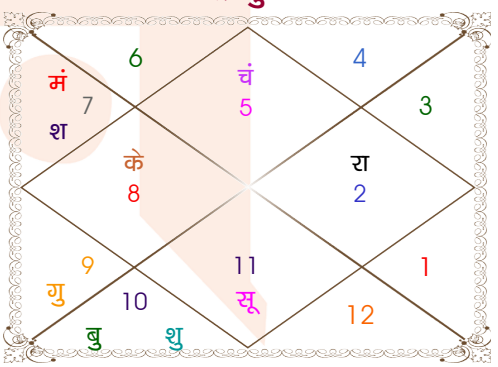

नवमांश कुंडली

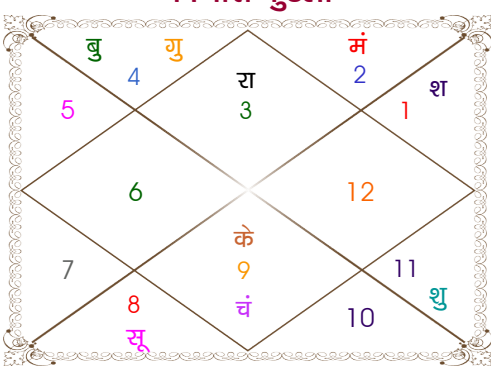

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 10 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/02/1984		29/12/1989		30/12/1999		30/12/2006		29/12/2024	
29/12/1989		30/12/1999		30/12/2006		29/12/2024		29/12/2040	
सूर्य	17/04/1984	चंद्र	30/10/1990	मंगल	27/05/2000	राहु	11/09/2009	गुरु	16/02/2027
चंद्र	17/10/1984	मंगल	31/05/1991	राहु	15/06/2001	गुरु	04/02/2012	शनि	30/08/2029
मंगल	22/02/1985	राहु	29/11/1992	गुरु	21/05/2002	शनि	11/12/2014	बुध	06/12/2031
राहु	17/01/1986	गुरु	31/03/1994	शनि	30/06/2003	बुध	30/06/2017	केतु	10/11/2032
गुरु	05/11/1986	शनि	30/10/1995	बुध	26/06/2004	केतु	18/07/2018	शुक्र	12/07/2035
शनि	18/10/1987	बुध	30/03/1997	केतु	23/11/2004	शुक्र	18/07/2021	सूर्य	30/04/2036
बुध	23/08/1988	केतु	29/10/1997	शुक्र	23/01/2006	सूर्य	12/06/2022	चंद्र	30/08/2037
केतु	29/12/1988	शुक्र	30/06/1999	सूर्य	31/05/2006	चंद्र	12/12/2023	मंगल	06/08/2038
शुक्र	29/12/1989	सूर्य	30/12/1999	चंद्र	30/12/2006	मंगल	29/12/2024	राहु	29/12/2040

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/12/2040		30/12/2059		29/12/2076		30/12/2083		31/12/2103	
30/12/2059		29/12/2076		30/12/2083		31/12/2103		00/00/0000	
शनि	02/01/2044	बुध	27/05/2062	केतु	27/05/2077	शुक्र	30/04/2087	सूर्य	19/02/2104
बुध	11/09/2046	केतु	25/05/2063	शुक्र	27/07/2078	सूर्य	30/04/2088		00/00/0000
केतु	21/10/2047	शुक्र	25/03/2066	सूर्य	02/12/2078	चंद्र	29/12/2089		00/00/0000
शुक्र	20/12/2050	सूर्य	29/01/2067	चंद्र	03/07/2079	मंगल	28/02/2091		00/00/0000
सूर्य	02/12/2051	चंद्र	29/06/2068	मंगल	29/11/2079	राहु	28/02/2094		00/00/0000
चंद्र	03/07/2053	मंगल	27/06/2069	राहु	17/12/2080	गुरु	29/10/2096		00/00/0000
मंगल	12/08/2054	राहु	14/01/2072	गुरु	23/11/2081	शनि	30/12/2099		00/00/0000
राहु	18/06/2057	गुरु	21/04/2074	शनि	02/01/2083	बुध	31/10/2102		00/00/0000
गुरु	30/12/2059	शनि	29/12/2076	बुध	30/12/2083	केतु	31/12/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।